Raja Peary Mohan College

NAAC accredited with B grade (2.7); ISO 9001:2015

Uttarpara, Hooghly, West Bengal Pin- 712 258

Ph (033)26630881, Fax033) 26634155

Website:www.rpmcollege. org , e-mail: rajapearymohancollege@gmail.com

Dated: 01-07-2021

NOTICE

This is for information of all students that an Online Certificate Course cum Internship program "Teacher Training Program" would be organized by the college in collaboration with RSSI NGO. The course would start from the month of September, 2021. The method of conducting Teacher training and Internship modalities is attached herewith.

Eligibility: Undergraduate students across the state of West Bengal studying at $2^{nd}/4^{th}/6^{th}$ semester from all streams are eligible to apply.

Objective:

• The course looks forward to give students an exposure to the methods of teacher training.

• The course involves Internship and real-time online teaching of students from schools under ICSE/CBSE/WBBSE (Madhyamik).

• Developing teaching skills of students and hands-on teaching experience.

Course fee (Special scholarship available for deserving students)

For Raja Peary Mohan College Students: Rs. 350/-

For all other colleges: Rs. 500/-

All students are requested to register under the given link for an Induction program.

The link would remain active upto 15.08.2020. All students are requested to register within that period.

The teacher training or future Internships to be offered would be in accordance to the existing Government regulations with respect to COVID-19 pandemic and other statutory Government Orders.

By Order

Registration Link Click here

Please email for any queries to rpmcollege2020@gmail.com

শিক্ষক প্রশিক্ষণ কার্যক্রম

शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

Teachers' Training Program

Version 1.0

Document Type – Internal

Date – 12-Nov-2020

Language available – Bengali (2-4), Hindi (5-7) and English (8-10)

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

শিক্ষক প্রশিক্ষণ কার্যক্রম

প্রথম পর্যায় - প্রশিক্ষণ (6 সপ্তাহ)

পর্যায় 1: পর্যবেক্ষণ

পর্যায় 2: কোর্স মেটেরিয়াল এবং শিক্ষাদানের উদ্ভাবনী প্রক্রিয়া সম্পর্কিত একটি ডকুমনেট প্রস্তুতি

পর্যায় 3: ব্যবহারিক শিক্ষার অভিজ্ঞতা

পর্যায় 4: ওয়েব ভিত্তিক বাধ্যতামূলক প্রশিক্ষণ

প্রথম পর্বের সমাপ্তি: কোর্স মেটেরিয়াল জমা দেওয়া এবং সাক্ষাত্কার।

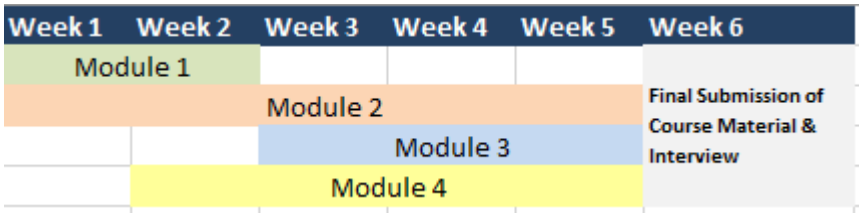

দ্বিতীয় পর্যায় - প্রকল্পের কাজ (6 মাস)

প্রশিক্ষণার্থী স্বয়ংসেবক পশ্চিমবঙ্গ অঞ্চলের শিক্ষার্থীদের (5 টি গ্রাম) শিক্ষা দেবেন।

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

পর্যায় 1: পর্যবেক্ষণ

এই মডিউলে, প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীরা পর্যবেক্ষক হিসাবে লাইভ ক্লাসে অংশ নেবেন। এটি তাদের ওয়েব-ভিত্তিক শিক্ষার পদ্ধতিগুলির প্রাথমিক কাঠামো, শিক্ষার্থীদের প্রতিক্রিয়া বুঝতে সক্ষম করবে এবং ব্যবহৃত প্রক্রিয়া এবং প্রয়োগের সাথে তাদের পরিচিত হবে।

এটি প্রথম সপ্তাহের জন্য চলবে।

পর্যায় 2: কোর্স মেটেরিয়াল এবং শিক্ষাদানের উদ্ভাবনী প্রক্রিয়া সম্পর্কিত একটি ডকুমনেট প্রস্তুতি

এই মডিউলে প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীরা এমএস পাওয়ার পয়েন্ট / ওয়ার্ডে একটি উপস্থাপনাটি প্রস্তুত করবেন তবে হাতে লেখা ডকুমেন্টের স্ক্যান করা অনুলিপিও গ্রহণ করা হবে। প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীদের পছন্দের বিষয়ের উপর ভিত্তি করে একটি বিষয় বরাদ্দ করা হবে।

<u>এই নথিটি তিন ভাগে বিভক্ত হবে।</u>

নথির **প্রথম অংশে** নির্ধারিত বিষয়ের উপর ভিত্তি করে কোর্সের একটি প্রাথমিক শিক্ষণ রোডম্যাপ থাকবে। এটিতে এনসিইআরটি / সিবিএসই / আইসিএসই / স্টেট বোর্ডের পাঠ্যক্রমের বিবরণও অন্তর্ভুক্ত থাকবে।

নথির **দ্বিতীয় অংশে** এই বিষয়ে শিক্ষার্থীদের বোঝার জন্য শিক্ষণ নোট, সংজ্ঞা, ব্যাখ্যা, ডায়াগ্রাম, চিত্র, সমাধান সমস্যা ইত্যাদি থাকবে।

নথির **৩ য় অংশে** পড়ানো হচ্ছে এমন বিষয়ে শিক্ষার্থীদের মূল্যায়নের জন্য প্রশ্নোত্তর রয়েছে। এর মধ্যে প্রশ্নের সংকলন, এমসিকিউ, সংক্ষিপ্ত উত্তর, বা বর্ণনামূলক প্রশ্নের অন্তর্ভুক্ত থাকবে। ভাষার দক্ষতার ভিত্তিতে এই প্রশ্নপত্রগুলি সেট করতে হবে। বাজারে উপলভ্য বিভিন্ন পাঠ্যপুস্তক, ইন্টারনেট ওয়েবসাইট, পরীক্ষার কাগজপত্র ইত্যাদিতে ব্যবহৃত প্রশ্নগুলি ব্যবহার করা যেতে পারে। তবে এই উত্সগুলির জন্য স্বীকৃতি ডকুমেন্টের শেষে উল্লেখ করা উচিত।

এ ছাড়া প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীদের একটি শিক্ষাদানের উদ্ভাবনী প্রক্রিয়া সম্পর্কিত একটি ডকুমনেট প্রস্তুত করতে হবে যার মধ্যে সুবিধা - অসুবিধা, এবং উন্নতির সুযোগ বিষয় গুলি অন্তর্ভুক্ত থাকবে।

প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীদের নথি প্রস্তুতির সহায়তার জন্য এবং সেই সাথে শংসাপত্র সংস্থার প্রত্যাশার সম্মতি নিশ্চিত করার জন্য একজন পরামর্শদাতা নিযুক্ত করা হবে।

এই নথিতে প্রশিক্ষণার্থী-স্বেচ্ছাসেবক স্বাক্ষর করবেন এবং মূল্যায়নের পরে পরামর্শদাতা স্বাক্ষর করবেন।

এই মডিউলটি প্রথম সপ্তাহ থেকে মডিউল 1 এর সমান্তরালে শুরু হবে এবং 4 সপ্তাহ চলবে।

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

পর্যায় 3: ব্যবহারিক শিক্ষার অভিজ্ঞতা

নথিটি শেষ হওয়ার পরে এবং পরামর্শদাতার প্রাথমিক অনুমোদনের পরে মডিউল 3 শুরু হবে। এর মধ্যে মডিউল 2-এ প্রস্তুত নথির উপর ভিত্তি করে লাইভ লার্নিং সেশন এবং শিক্ষার্থীদের পরীক্ষার মাধ্যমে এই শিক্ষার্থীদের মূল্যায়ন করা অন্তর্ভুক্ত থাকবে।

শিক্ষার্থীদের মূল্যায়নের ফলাফল এবং শিক্ষার অভিজ্ঞতার উপর নির্ভর করে, শেষ বারের জন্য জমা দেওয়ার আগে নথিগুলি প্রশিক্ষণার্থী-স্বেচ্ছাসেবীর দ্বারা সংশোধন করা যেতে পারে।

মডিউল 2 এর পরে, এই মডিউলটি দুই সপ্তাহ চলবে।

পর্যায় 4: ওয়েব ভিত্তিক বাধ্যতামূলক প্রশিক্ষণ

এই মডিউলটি প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীদের পাঠদানের নৈতিক অংশ, দায়িত্ব, সমাজের বিভিন্ন সমস্যার সচেতনতা ইত্যাদির সম্পূর্ণ উপলব্ধি করতে সক্ষম করবে।

চূড়ান্ত সাক্ষাত্কারের আগে প্রশিক্ষণ শেষে, প্রথম সপ্তাহের পরে যে কোনও সময় এটি করা যেতে পারে।

প্রথম পর্যায়ের সমাপ্তি: কোর্স মেটেরিয়াল জমা দেওয়া এবং সাক্ষাত্কার।

4 টি মডিউল সফলভাবে সমাপ্তির পরে, চূড়ান্ত উপস্থাপনা / নথি পর্যালোচনার জন্য শংসাপত্র সংস্থায় জমা দিতে হবে। এটির পরে RSSI শিক্ষকদের সাথে (স্বেচ্ছাসেবীদের) একটি সাক্ষাত্কার অনুষ্ঠিত হবে।

পূর্ববর্তী মডিউলগুলি, জমা দেওয়া উপস্থাপনা / নথি এবং সাক্ষাত্কারের সংশ্লেষিত ফলাফলের ভিত্তিতে, চূড়ান্ত নম্বর / গ্রেড প্রকাশিত হবে এবং প্রোগ্রামের দ্বিতীয় ধাপে চালিয়ে যাওয়ার জন্য প্রশিক্ষণার্থী স্বেচ্ছাসেবীরা যোগ্যতা অর্জন করবে। যারা যোগ্যতা অর্জন করতে পারবেন না, তারা নিজেরাই কয়েকটি মডিউল পুনরায় করতে পারেন এবং মূল্যায়ন এবং সাক্ষাত্কারের জন্য পুনরায় আবেদন করতে পারেন। প্রাপ্যতার ভিত্তিতে তাদের সহায়তার জন্য পরামর্শদাতা দেওয়া হতে পারে।

<u>দ্বিতীয় পর্যায় - প্রকল্পের কাজ (6 মাস)</u>

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

चरण 1 - प्रशिक्षण (6 सप्ताह)

मॉड्यूल 1: अवलोकन

मॉड्यूल 2: पाठ्यक्रम सामग्री और नवीन शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित एक दस्तावेज तैयार करना

मॉड्यूल 3: व्यावहारिक शिक्षण अनुभव

मॉड्यूल 4: वेब आधारित अनिवार्य प्रशिक्षण

चरण 1 का अंत: पाठ्यक्रम सामग्री का अंतिम प्रस्तुतीकरण और साक्षात्कार ।

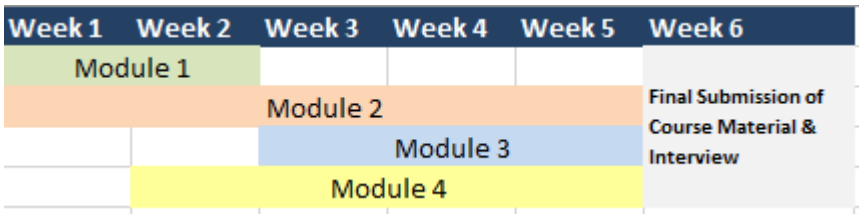

चरण 2 - परियोजना कार्य (6 महीने)

प्रशिक्षु स्वयंसेवक को पश्चिम बंगाल क्षेत्र (5 गांवों) के छात्रों को पढ़ाना होगा।

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

मॉड्यूल 1: अवलोकन

इस मॉड्यूल में, प्रशिक्षु स्वयंसेवक पर्यवेक्षक के रूप में लाइव कक्षाओं में भाग लेंगे। यह उन्हें वेब-आधारित शिक्षण विधियों, छात्रों की प्रतिक्रिया की मूल संरचना को समझने में सक्षम करेगा और इस प्रक्रिया और उपयोग किए गए एप्लिकेशन से खुद को परिचित करेगा।

यह पहले सप्ताह तक चलेगा।

मॉड्यूल 2: पाठ्यक्रम सामग्री और नवीन शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित एक दस्तावेज तैयार करना

इस मॉड्यूल में, प्रशिक्षु स्वयंसेवक अधिमानतः MS PowerPoint / Word में एक प्रस्तुति तैयार करेंगे। हालांकि, हस्तलिखित दस्तावेज की स्कैन की गई कॉपी भी स्वीकार की जाएगी। प्रशिक्षु स्वयंसेवकों को पसंद के विषय के आधार पर एक विषय सौंपा जाएगा।

इस दस्तावेज़ को तीन भागों में विभाजित किया जाएगा।

भाग 1 में विषय के आधार पर पाठ्यक्रम का एक बुनियादी शिक्षण रोडमैप होगा। इसमें NCERT / CBSE / ICSE / State बोर्ड का सिलेबस विवरण भी शामिल होगा

दस्तावेज़ के **भाग 2** में विषय पर छात्रों की समझ के लिए शिक्षण नोट्स, परिभाषाएँ, स्पष्टीकरण, चित्र, चित्र, हल की गई समस्याएं आदि होंगे।

दस्तावेज़ के **भाग 3** में छात्रों को पढ़ाए जाने वाले विषय पर मूल्यांकन के लिए प्रश्न और उत्तर निर्धारित होंगे। इसमें प्रश्नों के संकलन - MCQ, लघु उत्तर या वर्णनात्मक प्रश्न शामिल होंगे। भाषा प्रवीणता के आधार पर, इन प्रश्न पत्रों को सेट किया जाना है। बाजार में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यपुस्तकों, इंटरनेट वेबसाइटों, परीक्षा पत्रों आदि में उपलब्ध प्रश्नों का उपयोग किया जा सकता है। हालाँकि, दस्तावेज़ के अंत में इन स्रोतों का उल्लेख किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, प्रशिक्षु स्वयंसेवकों को नवीन शिक्षण प्रक्रिया पर एक दस्तावेज तैयार करना होगा, जिसमें इसके फायदे, नुकसान और सुधार के अवसर शामिल होंगे।

प्रशिक्षु स्वयंसेवकों को दस्तावेज तैयार करने में सहायता के लिए और साथ ही प्रमाणन निकाय की उम्मीद के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक संरक्षक सौंपा जाएगा।

प्रशिक्षु-स्वयंसेवक और मूल्यांकन के बाद संरक्षक इस दस्तावेज़ में हस्ताक्षर करेंगे।

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

यह मॉड्यूल, मॉड्यूल 1 के समानांतर पहले सप्ताह से शुरू होगा और 4 सप्ताह तक चलेगा।

मॉड्यूल 3: व्यावहारिक शिक्षण अनुभव

दस्तावेज़ के पूरा होने और संरक्षक की प्राथमिक मंजूरी के बाद, मॉड्यूल 3 शुरू हो जाएगा। इसमें मॉड्यूल 2 में तैयार किए गए दस्तावेजों के आधार पर, छात्रों के समूह को लाइव शिक्षण सत्र और परीक्षणों के माध्यम से इन छात्रों का मूल्यांकन शामिल होगा।

छात्र मूल्यांकन परिणामों और शिक्षण अनुभव के आधार पर, दस्तावेजों को अंतिम बार प्रस्तुत करने से पहले प्रशिक्षु-स्वयंसेवक द्वारा संशोधित किया जा सकता है।

यह निगरानी निकाय की समीक्षा समिति द्वारा की जाएगी।

मॉड्यूल 2 के बाद यह मॉड्यूल दो सप्ताह तक चलेगा।

मॉड्यूल 4: वेब आधारित अनिवार्य प्रशिक्षण

यह मॉड्यूल प्रशिक्षु स्वयंसेवकों को शिक्षण, जिम्मेदारियों, समाज की विभिन्न समस्याओं के बारे में जागरूकता आदि के नैतिक भाग की समझ को पूरा करने में सक्षम करेगा। ये PowerPoint प्रस्तुति या वीडियो प्रस्तुतियों में लघु वेब आधारित प्रशिक्षण होगा, जिसके बाद प्रशिक्षु स्वयंसेवकों की समझ का मूल्यांकन किया जाएगा।

यह अंतिम साक्षात्कार से पहले प्रशिक्षण के अंत तक, पहले सप्ताह के बाद कभी भी किया जा सकता है।

चरण 1 का अंत: पाठ्यक्रम सामग्री और साक्षात्कार का अंतिम प्रस्तुतीकरण

4 मॉड्यूल के सफल समापन के बाद, अंतिम प्रस्तुति / दस्तावेज को समीक्षा के लिए प्रमाणन निकाय को प्रस्तुत किया जाना है। इसके बाद RSSI शिक्षकों (स्वयंसेवकों) के साथ साक्षात्कार सत्र होगा।

पहले के मॉड्यूल, दस्तावेज और साक्षात्कार के कुल परिणामों के आधार पर, अंतिम अंक / ग्रेड प्रकाशित किए जाएंगे और योग्यता प्राप्त प्रशिक्षु स्वयंसेवकों कार्यक्रम के चरण 2 को जारी रखेंगे।

जो प्रशिक्षु स्वयंसेवक अर्हता प्राप्त नहीं करेंगे, वे अपने स्वयं के द्वारा कुछ मॉड्यूल पुन: कर सकते हैं और मूल्यांकन और साक्षात्कार के लिए फिर से आवेदन कर सकते हैं। उन्हें उपलब्धता के आधार पर सहायता के लिए एक संरक्षक सौंपा जा सकता है।

चरण 2 - परियोजना कार्य (6 महीने)

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

Teachers' Training Program

Phase 1 – Training (6 Weeks)

Module 1: Observation

Module 2: Preparation of a document related to the course content and the innovative teaching process

Module 3: Hands on Teaching

Module 4: Web Based Mandatory Training

End of Phase 1: Final Submission of Course Material & Interview

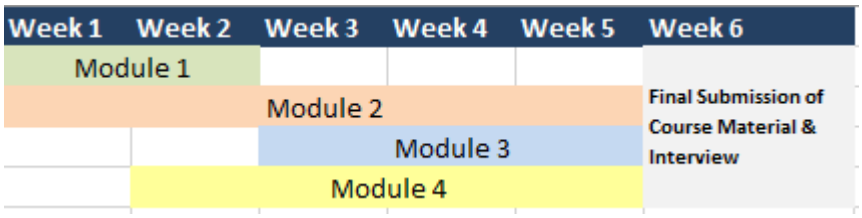

Phase 2 – Project Work (6 Months)

The trainee volunteers will teach the students of West Bengal region (5 villages).

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

Module 1: Observation

In this module, trainee volunteers will attend live classes as observer. This will enable them to understand the basic structure of web-based teaching methods, students' response and will make themselves familiar with the process, technology, infrastructure and the platform used.

This will last for the first week.

Module 2: Course Material Preparation

In this module, trainee volunteers will prepare a presentation preferably in MS PowerPoint / Word. However, a scanned copy of the handwritten document will also be accepted. Trainee volunteers will be assigned a topic based on the subject of choice.

This document will be divided into three parts.

> **Part 1** will have a basic teaching roadmap of the course based on the topic assigned. It will also include the syllabus description of NCERT/CBSE/ICSE/State board
>
> **Part 2** of the document will have the teaching notes, definitions, explanations, diagrams, illustrations, solved problems, etc for understanding of the students on the topic.
>
> **Part 3** of the document will have questions & answers set for the evaluation of the students on the topic being taught. This will include compilations of questions, MCQ, short answer, or descriptive questions. Based on the Language proficiency, these question papers are to be set. Questions available in various textbooks, internet websites, test papers, etc as available in the market may be used. However, acknowledgement for these sources to be mentioned at the end of the document.

In addition, trainee volunteers will need to prepare a document on the innovative teaching process, which will include its advantages, disadvantages, and opportunities for improvement.

Trainee volunteers will be assigned a mentor for assistance of the document preparation and as well as to ensure compliance to the expectation of the certification body.

The document will be signed by the trainee-volunteer as preparer, counter signed by the mentor.

This module will start from the first week in parallel to Module 1 and will last for 4 weeks.

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

Module 3: Hands on Teaching

After completion of the document and primary approval of the mentor, Module 3 will start. This will include live teaching sessions to a group of students and evaluation of these students through tests based on the documents prepared in Module 2. Based on student evaluation results and teaching experience, the documents may be modified by the trainee-volunteer for the final submission at the end of this module.

This will be monitored by the review committee of the certification body.

This module will last 2 weeks post Module 2.

Module 4: Web Based Mandatory Training

This module will enable trainee volunteers to complete understanding of the ethical part of teaching, responsibilities, awareness of various problems of the society, etc. These will be short web based training in PowerPoint presentation or video presentations followed by evaluation of the understanding of the trainee volunteers on the topic.

This can be done any time after the first week to the end of the training before the final interview.

End of Phase 1: Final Submission of Course Material & Interview

After successful completion of the 4 modules, the final presentation/ document to be submitted to the certification body for review. This will be followed by an interview session with RSSI teachers.

Based on the cumulative results of earlier modules, submitted presentation / document and the interview, the final marks/grades will be published and qualifying trainee volunteers will continue with Phase 2 of the program. Trainee volunteers who will not qualify, may re-do a few modules on their own and re-apply for evaluation and interview. They may be assigned a mentor for assistance based on availability.

Phase 2 – Project Work (6 Months)

Rina Shiksha Sahayak Foundation

1074/801 Jhapetapur, Backside of Municipality, West Medinipur, West Bengal 721301
Contact: +91 7980168159 Website: www.rssi.in

Version – 1.0
Date of publication – 29 Jun. 21
Data Classification – Public

Responsibilities of the Teaching Intern

The clinical experience is a decisive point in the interns' preparations to become professional educators. It is a time when theory and practice meet and when candidates discover where their passions lie, in or out of the classroom.

Interns should use the following as a guide throughout the term:

1. Understand that daily attendance and punctuality are mandatory in the assigned class, as well as attendance at seminars pre-scheduled by the program coordinator.
2. Consistently demonstrate professional conduct in actions and attire.
3. Adhere to organization policies and procedures.
4. Show an interest and initiative in assuming the increasing responsibilities.
5. Demonstrate effective classroom management.
6. Immediately report the absence to the supervisor and class coordinator.
7. Maintain confidentiality of information received about students or organization personnel.
8. Be fair, impartial, and consistent in working with children.
9. Be aware of all the deadlines for the required assignments and complete them.
10. It is the responsibility of the intern to review the program's curriculum and communicate the requirements to the host teachers/ supervisor.
11. Prepare lesson plans for each lesson taught during the internship experience and submit them to the host teacher/ supervisor for review. Submit daily lesson plans to the host teacher/ supervisor for feedback and suggestions.
12. Acknowledge the feedback provided by host teachers/supervisors and program coordinators.
13. Prepare extra activities in case any lesson runs short. Have an interesting article from the newspaper, an intellectual puzzle, etc. for the students if you have extra time. Come to class "over-prepared" with activities.
14. After completing the syllabus, for evaluation, the below-mentioned activities are the responsibility of an intern i.e., setting up the question paper, all necessary paperwork for evaluation, and result-publication of the concerned subject. Interns will have to attend PTM after result publication.